NT>

Title: Need to promote Hindi for official works.

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : उपाध्यक्ष महोदय, देश को आजाद हुए 55 वर्ा हो गए हैं, लेकिन हम अभी तक गुलामी की मानसिकता से मुक्त नहीं हो पाए हैं। हिन्दी भाषा हमारे देश का राष्ट्रभाषा है और हिन्दी भाषा को बढ़ावा देने के लिए हम हिन्दा पखवाड़ा भी मनाते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि हिन्दी में काम करने वालों को आज भी तिरस्कृत किया जा रहा है, अपमानित किया जा रहा है और यहां तक कि प्रताड़ित भी किया जा रहा है। वायु सेना के एक अधिकारी, श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता द्वारा हिन्दी में काम करने की वजह से उनकी पदोन्नति रोक दी गई है और नौकरी से निकाल दिया गया। इस अधिकारी को तत्कालीन राष्ट्रपति महोदय, श्री फखरुद्दीन अली अहमद जी द्वारा हिन्दी में काम करने के लिए पुरस्कृत किया गया था। यह केवल एक व्यक्ति का सवाल नहीं है, राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्मान का प्रश्न है। आजादी के 55 वर्ों के बाद पांच प्रतिशत लोग इंग्लिश जानते हैं लेकिन दो प्रतिशत नौकरशाह प्रशासन पर अपना आधिपत्य जमाने के लिए अंग्रेजी में कामकाज करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इस तरह से हिन्दी को हतोत्साहित किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूं कि हिन्दी का जो उचित स्थान है, वह व्यावहारिक रूप में मिले और इस बात के लिए सम्पूर्ण सदन और सरकार प्रयत्न करे।

श्री धर्म राज सिंह पटेल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं भी चौहान जी की बातों का समर्थन करता हूं।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैंने एसोसिएट करने के लिए अलाउ किया है।

â€¦ (व्यवधान)

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : महोदय, मैं भी चौहान जी की बातों का समर्थन करता हूं। ...

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है।

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions)**